दैनिक
# लोकहित की पुकार
MPHIN/37343

राजगढ़, शुक्रवार 31 जनवरी, 2025 | वर्ष-04 | अंक- 86 पृष्ठ-4 | मूल्य- 2 रुपए

email-lokhit ki pukar@gmail.com

पेज- 2 | अंतरिक्ष में सुनहरी कामयाबी की सौवीं उड़ान

पेज- 4 | सारंगपुर पुलिस ने पकडे मोटर चोर, आरोपियो से 11 पानी की मोटर की जप्त

## अमेरिका में सैन्य हेलीकॉप्टर से टकराया विमान, सभी 67 लोगों के मारे जाने की आशंका

**वॉशिंगटन।** वाशिंगटन के निकट रोनाल्ड रीगन राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर उतरते समय बुधवार को एक यात्री विमान सेना के एक हेलीकॉप्टर से टकरा गया। हादसे में किसी के भी बचने की संभावना कम ही बताई जा रही है। टक्कर के बाद दोनों विमान और हेलीकॉप्टर का मलबा पोटोमैक नदी में डूब गया। हादसे के बाद निकटवर्ती पोटोमैक नदी में बड़े पैमाने पर बचाव अभियान शुरू किया गया है। फिलहाल 18 शवों के बरामद किए जाने की बात सामने आ रही है।

विमानन कंपनी 'अमेरिकन एयरलाइंस' के मुताबिक, विमान में 60 यात्री और चालक दल के चार सदस्य सवार थे। हवाई अड्डे पर विमान परिचालन रोक दिया गया है। एक अधिकारी ने बताया कि यात्री विमान से टकराए सैन्य हेलीकॉप्टर ने प्रशिक्षण के लिए उड़ान भरी थी। इसमें तीन जवान सवार थे, जिनके मरने की पुष्टि हो चुकी है।

कानून प्रवर्तन एजेंसियों के हेलीकॉप्टर जीवित लोगों की तलाश एवं बचाव के लिए घटनास्थल के हवाई क्षेत्र में उड़ान भर रहे हैं। हवाई अड्डे के ठीक उत्तर में जॉर्ज वॉशिंगटन पार्कवे के पास स्थित एक स्थान से बचाव नौकाओं को पोटोमैक नदी में उतारा गया है। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि उन्हें रीगन राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर हुई भयावह दुर्घटना के बारे में जानकारी दी गई है।

### दोनों विमान नदी में गिरे

वाशिंगटन डीसी मेयर म्यूरियल बोसर ने कहा कि हम अमेरिकन एयरलाइंस के साथ मिलकर काम करना जारी रखेंगे, ताकि जितनी जल्दी हो सके आपके साथ जानकारी

साझा की जा सके। दोनों विमान नदी में गिर गए हैं। हमारा ध्यान लोगों को बचाने पर है। हमारे सभी कर्मचारी इसी पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं। हम केवल यह पुष्टि कर सकते हैं कि प्रत्येक विमान में कितने लोग सवार थे। अमेरिकन एयरलाइंस के विमान में 64 लोग और सैन्य हेलीकॉप्टर में 3 लोग। चीफ डीसी फायर और ईएमएस चीफ जॉन डोनेली ने कहा कि चुनौतियां बहुत ज्यादा हैं। हम जिस पानी में काम कर रहे हैं, वह लगभग 80 फीट गहरा है। वहां हवा और बर्फ के टुकड़े हैं। यह खतरनाक है और इसमें काम करना मुश्किल है। पानी गहरा और गंदा है और गोताखोरों के लिए इसमें गोता लगाना बहुत मुश्किल है।

### सैन्य 'ब्लैकहॉक' हेलीकॉप्टर से टकरा गया विमान

इस बीच अमेरिकी गृह मंत्री ने कहा कि दुर्घटना के बाद राहत एवं बचाव कार्य के लिए तटरक्षक बल सभी उपलब्ध संसाधनों का इस्तेमाल कर रहा है। संघीय विमानन प्रशासन (एफएए) ने बताया कि यह टक्कर पूर्वी मानक समयानुसार रात लगभग नौ बजे हुई, जब कंसास के विचिटा से उड़ान भरने वाला एक क्षेत्रीय विमान हवाई अड्डे के रनवे पर पहुंचते समय एक सैन्य 'ब्लैकहॉक' हेलीकॉप्टर से टकरा गया। दुर्घटना के समय हवाई यातायात नियंत्रण टावर से प्राप्त ऑडियो में एक नियंत्रक को यात्री विमान के संदर्भ में हेलीकॉप्टर के पायलट से पूछते हुए सुना गया कि पीएटी25 क्या आपके पास सीआरजे दिख रहा है।

### राहत एवं बचाव कार्य जारी

विमानन कंपनी 'अमेरिकन एयरलाइंस' ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में कहा कि उसे इन खबरों की जानकारी है कि उसका एक विमान इस दुर्घटना में शामिल है। आपातकालीन कर्मचारी विमान दुर्घटना के बाद राहत एवं बचाव कार्य कर रहे हैं।

### सीएम डॉ.मोहन यादव बोले-

## औद्योगिक विकास के लिये हरसंभव सहायता देने सरकार प्रतिबद्ध

**भोपाल।** मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने जापान यात्रा के तीसरे दिन पैनासोनिक एनर्जी कंपनी के अधिकारियों के साथ बैठक की। बैठक में पैनासोनिक के अधिकारियों से मध्यप्रदेश में निवेश के अवसरों और सहयोग की संभावनाओं पर गहन चर्चा की गई। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि मध्यप्रदेश सरकार औद्योगिक विकास के लिए हर संभव सहायता प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने पैनासोनिक एनर्जी से अपेक्षाएँ जताईं कि वह राज्य में अपनी स्किल डेवलपमेंट पहल को बढ़ावा दे, ताकि प्रदेश के युवाओं को बेहतर रोजगार के अवसर मिल सकें। मुख्यमंत्री ने पैनासोनिक एनर्जी को ऊर्जा भण्डारण और सस्टेनेबल बैटरी निर्माण के लिए पीथमपुर में अपनी इकाई का विस्तार करने का प्रस्ताव दिया। उन्होंने प्रदेश में रिसर्च और डेवलपमेंट केंद्र स्थापित करने का प्रस्ताव भी दिया। इससे प्रदेश में प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में वृद्धि हो सकेंगी।

मुख्यमंत्री ने पैनासोनिक एनर्जी के साथ मध्यप्रदेश में विशेष रूप से इलेक्ट्रिक वाहन

बैटरी निर्माण और ऊर्जा भंडारण के क्षेत्र में नई यूनिट्स स्थापित करने पर चर्चा की। उन्होंने प्रदेश की औद्योगिक नीति और पैनासोनिक एनर्जी के लिए विशेष वित्तीय सहायता योजनाओं के बारे में बताते हुए कहा कि इससे पैनासोनिक को मध्यप्रदेश में और अधिक निवेश करने के अवसर मिल सकते हैं। बैठक में पैनासोनिक एनर्जी के अधिकारियों ने अपनी कंपनी की उपलब्धियों और भविष्य की योजनाओं के बारे में जानकारी दी। पैनासोनिक ने मध्यप्रदेश में ऊर्जा भंडारण और बैटरी निर्माण क्षेत्र में निवेश करने की अपनी रुचि दर्शाते हुए विश्वास व्यक्त किया कि प्रदेश सरकार का पूर्ण सहयोग मिलेगा।

### जीआईएस के लिये किये आमंत्रित

मुख्यमंत्री ने पैनासोनिक एनर्जी को आगामी 24-25 फरवरी 2025 को भोपाल में होने वाली ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट में आमंत्रित किया, जिससे वे राज्य में निवेश के नए अवसरों पर विचार कर सकें और मध्यप्रदेश के औद्योगिक परिदृश्य को और बेहतर समझ सकें। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने पैनासोनिक एनर्जी के प्रतिनिधियों को प्रदेश के सांस्कृतिक और ऐतिहासिक महत्व वाले स्थलों जैसे सांची का दौरा करने का निमंत्रण भी दिया। मुख्यमंत्री ने पैनासोनिक एनर्जी के साथ मध्यप्रदेश में एक दीर्घकालिक और मजबूत साझेदारी की दिशा में काम करने की प्रतिबद्धता दोहराई और उन्हें राज्य में हर संभव सहयोग के प्रति आश्वस्त किया।

### पैनासोनिक एनर्जी ऊर्जा समाधान में ग्लोबल लीडर है

पैनासोनिक होल्डिंग्स कॉर्पोरेशन की सहायक कंपनी पैनासोनिक एनर्जी लिमिटेड, ऊर्जा समाधान में एक ग्लोबल लीडर है, जिसका मुख्यालय जापान में है। कंपनी लिथियम बैटरी, वाहन में उपयोग के लिए लिथियम-आयन बैटरी, औद्योगिक या उपभोक्ता के लिए लिथियम-आयन बेटरी, भंडारण बैटरी मॉड्यूल आदि उत्पाद बनाती है। कंपनी की निर्माण इकाई उत्तरी अमेरिका, यूरोप और एशिया स्थित है। कंपनी टेस्ला जैसे प्रमुख ऑटोमोटिव ब्रांडों के लिए एक प्रमुख आपूर्तिकर्ता है।

## फटी जींस और शॉर्ट कपड़े पहनने पर नहीं मिलेगी एंट्री...

### सिद्धिविनायक मंदिर में लागू हुआ ड्रेस कोड

**नई दिल्ली।** मुंबई के प्रसिद्ध श्री सिद्धिविनायक मंदिर में अब एक नया ड्रेस कोड लागू किया गया है। इस नियम के तहत अब सभी भक्तों को मंदिर में प्रवेश करने के लिए शालीन और सभ्य कपड़े पहनने होंगे। मंदिर के पदाधिकारियों ने यह निर्णय लिया है, ताकि मंदिर की पवित्रता बनी रहे और श्रद्धालु भारतीय संस्कृति का पालन कर सकें।

### क्या पहन सकते हैं और क्या नहीं?

नए ड्रेस कोड के तहत भक्तों को अब कुछ विशेष कपड़े पहनने होंगे। मंदिर के मुख्य द्वार पर एक बोर्ड लगाकर भक्तों को नए नियमों के बारे में सूचित किया गया है।

इस बोर्ड पर लिखा गया है कि भक्तों को असभ्य और अशोभनीय कपड़े जैसे कटी फटी जींस, स्कर्ट या उत्तेजक वस्त्र पहनकर मंदिर में प्रवेश नहीं मिलेगा। भारतीय संस्कृति का पालन करते हुए, श्रद्धालुओं को शालीन कपड़े पहनने होंगे। महिलाओं के लिए भी नया ड्रेस कोड है। उन्हें सूट, साड़ी या पूरे कपड़े पहनकर मंदिर में आना होगा।

अगर कोई श्रद्धालु नए ड्रेस कोड का पालन नहीं करता है, तो उसे मंदिर में प्रवेश नहीं मिलेगा। हालांकि, ऐसे भक्तों के लिए मंदिर प्रबंधन ने कपड़े उपलब्ध कराने की व्यवस्था की है, ताकि कोई भी भक्त दर्शन से वंचित न रहे।

### कोषाध्यक्ष ने दी जानकारी

सिद्धिविनायक मंदिर ट्रस्ट के कोषाध्यक्ष पवन त्रिपाठी ने कहा कि यह नया ड्रेस कोड भक्तों के अनुरोध पर लागू किया गया है। उन्होंने बताया कि कुछ भक्त असोभनीय कपड़े पहनकर आते थे, जिन्हें देखते हुए यह फैसला लिया गया है। पवन त्रिपाठी ने यह भी कहा कि इस फैसले को राजनीति से जोड़कर नहीं देखा जाना चाहिए, यह पूरी तरह से भारतीय परंपरा और मंदिर की पवित्रता बनाए रखने के लिए लिया गया कदम है।

### सीएम योगी का बड़ा फैसला

## अमृत और प्रमुख स्नानों पर वीआईपी मूवमेंट होगा प्रतिबंधित, नहीं रहेगा कोई प्रोटोकॉल

**लखनऊ।** महाकुम्भ-2025 में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के साथ-साथ वीआईपी और वीवीआईपी भी त्रिवेणी संगम में स्नान कर पुण्य लाभ अर्जित करने आ रहे हैं। हालांकि, अमृत स्नान और प्रमुख स्नान पर्वों पर इस तरह के प्रोटोकॉल पर योगी सरकार ने प्रतिबंध लगा दिया है। सीएम योगी की मंशा के अनुसार, अमृत स्नान व प्रमुख स्नान पर्वों पर तथा इसके समीप की तिथियों पर प्रशासन द्वारा किसी प्रकार का वीआईपी प्रोटोकॉल लागू नहीं होगा। योगी सरकार की ओर से मेले की शुरुआत से पहले ही इसकी घोषणा की गई थी। अब इस फैसले को सख्ती से लागू किए जाने की पहल की गई है। उल्लेखनीय है कि महाकुम्भ मेला-2025 के प्रारंभ में ही योगी सरकार ने अमृत स्नान व प्रमुख स्नान पर्वों पर तथा उसके एक दिन पहले व एक दिन बाद की तिथियों पर वीआईपी मूवमेंट रोकने को लेकर एक सर्कुलर जारी किया था।

योगी सरकार की इस पहल के जरिए आम श्रद्धालुओं को स्नान पर्व के अवसर पर यादगार अनुभव उपलब्ध कराया जा सकेगा, जहां वह वीआईपी मूवमेंट के कारण हुई असुविधा, मार्ग परिवर्तन, बाधा और रोक से हटकर चिंतामुक्त होकर स्नान व यात्रा कर सकेंगे। जारी सर्कुलर में इस बात का साफ उल्लेख किया गया है कि अमृत स्नान समेत सभी प्रमुख स्नान पर्वों व उसके आसपास के दिनों में वीआईपी मूवमेंट पर रोक रहेगी। ऐसे में, वसंत पंचमी, माघ पूर्णिमा और महाशिवरात्रि तथा उसके एक दिन पहले व एक दिन बाद तीर्थराज प्रयागराज में मूवमेंट के इच्छुक वीआईपी व वीवीआईपी डेलिगेशन को वीआईपी प्रोटोकॉल नहीं मिल सकेगा।

इतना ही नहीं, योगी सरकार ने सर्कुलर में ये भी स्पष्ट किया है कि वीआईपी व वीवीआपी मूवमेंट को लेकर एक सप्ताह पहले ही सूचना उपलब्ध करानी होगी। इससे, ऐन वक्त पर निर्धारित होने वाले वीवीआईपी व वीआईपी मूवमेंट पर भी नकेल कसने में मदद मिलेगी, जिससे स्नानार्थियों व श्रद्धालुओं को होने वाली असुविधा से बचाने में मदद मिलेगी। इसी के साथ, वसंत पंचमी, माघ पूर्णिमा और महाशिवरात्रि के स्नानों पर श्रद्धालुओं को प्रस्तावित भारी भीड़ के बीच लोगों से धैर्य बनाए रखने की विनती करते हुए इन तिथियों व इसके आसपास लोगों को इन तिथियों पर ऐहतियात बरतने की अपील भी की गई है। महाकुम्भ में मौनी अमावस्या के अमृत स्नान के मौके पर हादसे के बाद सरकार के स्तर से की गई त्वरित कार्यवाही पर प्रमुख अखाड़ों व संतों ने संतोष जताया है। सरकारी मशीनरी द्वारा शुरू किए गए राहत व बचाव कार्य के साथ ही मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा खुद मानिटरिंग की कमान संभालने के फैसले की संतों ने सराहना की है।

### जीबीएस से पुणे में हुई दूसरी मौत, अब तक 127 मामले आए

**पुणे।** महाराष्ट्र में गुलेन बैरी सिंड्रोम से एक और शख्स की मौत हो गई है। इसके साथ ही इस बीमारी से मरने वालों की संख्या बढ़कर दो हो गई है जबकि 16 नए मामले सामने आए हैं। इस सिंड्रोम के अब तक 127 मामले सामने आ चुके हैं। इससे लगातार बढ़ रही संख्या को लेकर 200 ब्लड सैंपल एनआईवी पुणे भेजे गए हैं। इससे पहले गुलेन बैरी सिंड्रोम से पुणे शहर में पहली मौत का मामला सामने आया था। राज्य स्वास्थ्य विभाग ने इस संक्रमण में अचानक वृद्धि की जांच के लिए एक रैपिड रिस्पांस टीम का गठन किया था। गुलेन बैरी सिंड्रोम एक दुर्लभ स्थिति है, जो शरीर में अचानक सुन्नता और मांसपेशियों में कमजोरी का कारण बनती है। इसमें अंगों में गंभीर कमजोरी, दस्त आदि शामिल हैं।

## साल की पहली बड़ी घुसपैठ की कोशिश नाकाम, मुठभेड़ में दो आतंकी ढेर

**पुंछ।** पुंछ में सुरक्षाबलों ने बृहस्पतिवार को दो आतंकियों को मुठभेड़ में ढेर कर दिया। एक और आतंकी को गोली लगी है। देर रात तक चले तलाशी अभियान में तीन एके-47 राइफल बरामद हुईं। तीसरे आतंकी की तलाश में देर रात तक सर्च ऑपरेशन जारी रहा। यह इस साल की पहली बड़ी घुसपैठ की कोशिश थी, जिसे सुरक्षा बलों ने नाकाम कर दिया।

जिले के रख हवेली क्षेत्र में सुरक्षाबलों ने कुछ आतंकियों की घुसपैठ की सूचना पर वीरवार को तलाशी अभियान शुरू किया। इसी बीच सूचना मिली कि पाकिस्तान की तरफ से कुछ आतंकी घुसपैठ कर

भारतीय सीमा में डेढ़ किलोमीटर अंदर तक घुस आए हैं। जंगल में तलाशी अभियान के दौरान सुरक्षाबलों की शाम करीब 6:30 बजे आतंकियों से मुठभेड़ हो गई। सुरक्षाबल सूत्रों के अनुसार तीन आतंकियों को गोलियां लगीं। दो के शव बरामद हो गए है। तीसरे की तलाश जारी है। मौके से तीन एके-47 राइफलें बरामद हुई हैं।

जानकारी के अनुसार, पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर (पीओके) सहित अन्य क्षेत्रों में बने लॉन्च पैड से सर्दियों के दिनों में आतंकी घुसपैठ की कोशिश में रहते हैं। घुसपैठ को रोकने और आतंकियों का सफाया करने के लिए सुरक्षाबलों और पुलिस ने प्रदेश के सभी 20 जिलों में अभियान चला रखा है। इसी अभियान के तहत घुसपैठ को नाकाम करने में सुरक्षाबलों को बड़ी कामयाबी मिली।

बुधवार को भी राजोरी में आतंकियों के ओवर ग्राउंड वर्कर (ओजीडब्ल्यू) के खिलाफ नौशेरा, थानामंडी, दरहाल, कोटरंका, बुद्धल, मंजाकोट और चिंगस सहित अन्य 25 ठिकानों पर छापे मारे थे। इस दौरान पुलिस ने नियंत्रण रेखा के पार सक्रिय आतंकी मोहम्मद असगर उर्फ बिल्ला के दो भाइयों के घरों पर भी एक घंटे तक तलाशी ली। पुलिस को तलाशी अभियान के दौरान कई आपत्तिजनक दस्तावेज हाथ लगे थे।

## जयश्री गायत्री फूड प्रोडक्ट्स की मालकिन पायल मोदी ने खाया जहर

**भोपाल।** जयश्री गायत्री फूड प्रोडक्ट्स प्राइवेट लिमिटेड कंपनी पर छापे के बाद उसके संचालक किशन मोदी की पत्नी 31 वर्षीय पायल मोदी ने जहर खा लिया। गुरुवार रात उसे गंभीर हालत में एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। उधर, दो दिन से जारी कंपनी के भोपाल, सीहोर और मुरैना स्थित परिसरों की जांच में ईडी को उसके संचालकों के पास करोड़ों की संपत्ति मिली है। जानकारी के अनुसार प्रवर्तन निदेशालय द्वारा छापेमारी के दूसरे दिन गुरुवार को जयश्री गायत्री फूड प्रोडक्शन कंपनी के मालिक किशन मोदी की पत्नी पायल मोदी ने चूहामार दवाई खा ली। उसे गंभीर हालत में एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उसका उपचार चल रहा है। कंपनी व संचालकों के ठिकानों पर जांच में ईडी को कई आपत्तिजनक दस्तावेज, 25 लाख रुपये नकद, बीएमडब्ल्यू और फॉर्च्यूनर जैसी लग्जरी कारों के साथ ही संचालक किशन मोदी की विभिन्न कंपनियों और परिवार के सदस्यों के नाम पर 66 करोड़ रुपये से अधिक की अचल संपत्तियों से संबंधित दस्तावेज मिले हैं। ईडी को 6.26 करोड़ रुपये की एफडी भी मिली है। ईडी की जांच कंपनी के प्रमुख व्यक्तियों किशन मोदी, पायल मोदी, अमित कुलोद समेत अन्य पदाधिकारियों के निवास और फैक्टरी पर की गई। ईडी ने यह जांच आर्थिक अपराध प्रकोष्ठ भोपाल द्वारा दर्ज की गई एफआईआर और चार्जशीट के आधार पर शुरू की। जांच में सामने आया कि जयश्री गायत्री फूड प्रोडक्ट्स प्राइवेट लिमिटेड ने मिलावटी दूध उत्पाद बनाए और बीआईएस/एनएबीएल की मान्यता प्राप्त लैब के फर्जी प्रमाण पत्रों के माध्यम से उन्हें घरेलू और अंतरराष्ट्रीय बाजार में बेचा। ईडी को 63 फर्जी लैब प्रमाण पत्र मिले, जिनका उपयोग मिलावटी दूध उत्पादों के निर्यात के लिए किया गया था। जांच में पता चला कि ये प्रमाण पत्र या तो अन्य कंपनियों के नाम पर जारी किए गए थे या फिर उन्हें जाली तरीके से प्राप्त किया गया था। जयश्री गायत्री फूड प्रोडक्ट्स पर छापे के बाद मालकिन पायल मोदी ने खाया जहर, ईडी को जांच में मिली करोड़ों की संपत्ति

संपादकीय

# महाकुंभ की त्रासदी

प्रयागराज में चल रहे महाकुंभ में मौनी अमावस्या पर तड़के हुए हादसे में कुछ श्रद्धालुओं की मौत की घटना निश्चित रूप से दुर्भाग्यपूर्ण है। यूं तो अतीत में भी प्रयागराज, हरिद्वार, नासिक व उज्जैन के कुंभों के दौरान भी कई दुर्भाग्यपूर्ण घटनाएं हुई हैं, लेकिन सवाल है कि क्या हम अतीत के हादसों से कोई सबक ले पाए हैं? यूं तो उत्तर प्रदेश की योगी सरकार द्वारा मेला प्रबंधन व सुरक्षा के चाकचौबंद बंदोबस्त के दावे किए गए थे, लेकिन मौनी अमावस्या की घटना ने यह दुखद स्थिति पैदा कर दी है। करोड़ों तीर्थयात्रियों का अचानक किसी धार्मिक आयोजन में पहुंचना निश्चित रूप से शासन व प्रशासन के लिये बड़ी चुनौती बन जाती है। लेकिन इसके बावजूद शासन-प्रशासन की प्राथमिकता दुर्घटना मुक्त आयोजन ही होना चाहिए। दरअसल, ऐसे आयोजनों में तीर्थयात्रियों की जल्दीबाजी और पहले स्नान करने की होड़ अकसर ऐसी भगदड़ पैदा कर देती है। जो बताती है कि हम सार्वजनिक जीवन में ऐसे बड़े आयोजनों में अनुशासित व्यवहार करने से चूक जाते हैं। दुर्भाग्यपूर्ण घटनाक्रम इस बात का भी संकेत है कि कुंभ के आयोजनों में पिछले बड़े हादसों के सबक हम पूरी तरह सीख नहीं पाए हैं। हालांकि, शासन-प्रशासन को इस बात का अंदाज था कि इस बार करोड़ों की भीड़ जुटेगी, लेकिन फिर भी कहीं न कहीं सावधानी में चूक तो हुई है। निस्संदेह, महाकुंभ का आयोजन भारतीय सनातन परंपरा का अटूट हिस्सा रहा है। बिना चिट्ठी व तार देश के कोने-कोने से तीर्थयात्री महाकुंभ में जुटते हैं। कल्पवास में संयमित जीवन से आध्यात्मिक लाभ अर्जित करते हैं। लेकिन बदलते वक्त के साथ यातायात के साधनों की उपलब्धता से ऐसे आयोजनों पर भीड़ का दबाव लगातार बढ़ता जा रहा है। मीडिया की सक्रियता ऐसे आयोजन के प्रति अतिरेक आकर्षण पैदा कर देती है, जिससे श्रद्धालुओं का अप्रत्याशित सैलाब कुंभ नगरी की तरफ मुड़ जाता है। निश्चित रूप से समय के साथ आये सामाजिक बदलावों के मद्देनजर शासन-प्रशासन को महाकुंभ के आयोजन में अतिरिक्त सावधानी बरतने की जरूरत है। निश्चित रूप से महाकुंभ के आयोजन से जुड़े तंत्र को उन कारकों पर गंभीरता से विचार करना चाहिए, जिसके चलते इस त्रासदी की छाया प्रयागराज महाकुंभ पर पड़ी। उन तमाम संभावनाओं पर विचार करने की जरूरत है जो कुंभ जैसे बड़े आयोजनों को दुर्घटनाओं से निरापद बनाने में सहायक हो सकती हैं। हालांकि, प्रयागराज महाकुंभ में एआई, ड्रोन व कंप्यूटरों के जरिये व्यापक सुरक्षा प्रबंधों की निगरानी की जा रही है, लेकिन अभी भी अफवाहों व भगदड़ की प्रवृत्ति पर रोक लगाने के लिये और अधिक प्रयास करने की जरूरत है।

# गांधी ने किये थे फांसी रुकवाने के प्रयास

**डॉ. रामजीलाल**

भारत के तीन महान क्रांतिकारियों–भगत सिंह, सुखदेव और राजगुरु को 23 मार्च 1931 को फांसी दी गई थी। विरोधियों द्वारा दुष्प्रचार किया जाता रहा है कि गांधी जी ने तीन महान क्रांतिकारियों की जान को बचाने के लिए कोई ठोस प्रयास नहीं किया। तथ्य बताते हैं कि गांधी जी ने उनका जीवन बचाने हेतु भरसक प्रयास किए। गांधी जी सत्य-अहिंसा के मार्ग पर चलते हुए शांतिपूर्ण तरीके से स्वतंत्रता चाहते थे। इसके बिलकुल विपरीत यह प्रचार किया जाता है कि भगत सिंह व साथी हिंसात्मक साधनों से स्वतंत्रता चाहते थे। भगत सिंह ने दो घटनाओं–केंद्रीय असेंबली बम कांड व जॉन सांडर्स की हत्या को छोड़कर कोई हिंसा नहीं की । उन्होंने माना विचारों से जागरूक व जनता को लामबंद करके ही क्रांति आ सकती है। भगत सिंह व साथियों द्वारा भी अहिंसात्मक तरीकों को अपनाया गया। 30 अक्तूबर, 1928 को साइमन कमीशन जब लाहौर रेलवे स्टेशन पर पर पहुंचा तो शांतिपूर्ण प्रदर्शनकारियों द्वारा 'साइमन कमीशन गो बैक' के नारे लगाए गए। इसका नेतृत्व लाला लाजपत राय कर रहे थे। लाहौर के पुलिस अधीक्षक, जेम्स ए. स्कॉट ने पुलिस को प्रदर्शनकारियों पर लाठीचार्ज करने का आदेश दिया। जिसके परिणाम स्वरूप 17 नवंबर, 1928 को लाजपत राय की मृत्यु हो गई। इस राष्ट्रीय अपमान का बदला लेने के लिए भगत सिंह और उनके साथियों ने जेम्स ए. स्कॉट को मारने की योजना बनाई। परंतु गलती से उन्होंने जेपी सांडर्स को मार दिया। फिर क्रांतिकारियों पर 'लाहौर षड्यंत्र केस' (1930) नाम से मुकदमा चला। 10 जुलाई, 1929 को मुकदमा शुरू हुआ। सात अक्तूबर, 1930 को ट्रिब्यूनल ने तीनों महान क्रांतिकारियों–भगत सिंह, सुखदेव और राजगुरु को 24 मार्च, 1931 को फांसी देने की सज़ा की तिथि निर्धारित की। लेकिन जन आक्रोश को देखते हुए एक दिन पूर्व 23 मार्च, 1931 को लाहौर जेल में फांसी दे दी गई। अक्सर कहा जाता है कि महात्मा गांधी ने भगत सिंह, सुखदेव और राजगुरु को फांसी की सज़ा से बचाने के लिए प्रभावशाली ढंग से प्रयास नहीं किया। दरअसल, गवर्नर जनरल लॉर्ड इरविन, हर्बर्ट एमरसन, यशपाल, मन्मथनाथ गुप्त इत्यादि का मानना रहा है कि गांधी-लइरविन दिल्ली समझौते की शर्तों में क्रांतिकारियों को फांसी से बचाने की शर्त नहीं रखी गई। दरअसल, महात्मा गांधी ने वायसराय को पत्र लिखा था, जिसमें फांसी को स्थगित करने की मांग की गई थी। इस दृष्टिकोण का समर्थन करने वालों में नेताजी सुभाष बोस, डॉ. पट्टाभि सीतारमैय्या, मीरा बेन, एडवोकेट आसिफ अली, इतिहासकार वीएन दत्ता, पत्रकार रॉबर्ट बर्नेज़, भगत सिंह के एक साथी जितेन्द्र नाथ सान्याल, सी.एस. वेणु इत्यादि प्रमुख हैं। महात्मा गांधी ने सर्वप्रथम 4 मई, 1930 को मुकदमे से संबंधित न्यायाधिकरण के गठन की आलोचना की थी। 11 फरवरी, 1931 को भगत सिंह व उनके साथियों को फांसी की सज़ा से बचाने के लिए की गई अपील को प्रिवी कौंसिल (लंदन) द्वारा ठुकरा दिया गया। महात्मा गांधीइरविन समझौते के लिए 17 फरवरी, 1931 से 5 मार्च, 1931 तक मीटिंगें हुईं और पत्राचार भी हुआ। महात्मा गांधी ने 18 फरवरी, 1931 को गवर्नर जनरल लॉर्ड इरविन से फांसी को कम करने की बात की। महात्मा गांधी ने वायसराय से कहा, 'अगर आप वर्तमान माहौल को और अधिक अनुकूल बनाना चाहते हैं, तो आपको भगत सिंह की फांसी को स्थगित कर देना चाहिए। इरविन ने गांधी जी को उत्तर दिया, 'सज़ा कम करना कठिन है, लेकिन निलंबन निश्चित रूप से विचार करने योग्य है।' 7 मार्च, 1931 को महात्मा गांधी ने दिल्ली में एक सभा में कहा, 'मैं किसी को भी फांसी पर चढ़ाये जाने के लिए पूरी तरह सहमत नहीं हो सकता। भगत सिंह जैसे बहादुर व्यक्ति के लिए तो बिल्कुल नहीं।' 19 मार्च, 1931 को गांधी ने फिर से लॉर्ड इरविन से सज़ा कम करने की अपील की, जिसे इरविन ने मीटिंग की प्रोसिडिंग में नोट कर लिया। बीस मार्च, 1931 को महात्मा गांधी ने लॉर्ड इरविन के गृह सचिव हर्बर्ट इमर्सन से मुलाकात की। गांधी जी ने इरविन से 21 मार्च, 1931 और फिर 22 मार्च, 1931 को फिर मुलाकात की और उनसे सज़ा कम करने का आग्रह किया। 23 मार्च, 1931 को गांधीजी ने वायसराय को पत्र लिखा :- 'शांति के हित में अंतिम अपील की आवश्यकता है। यदि पुनर्विचार के लिए कोई जगह बची है, तो मैं कहूंगा लोकप्रिय राय सज़ा में कमी की मांग करती है। जब कोई सिद्धांत दांव पर नहीं होता है, तो अक्सर उसका सम्मान करना कर्तव्य होता है।

# अंतरिक्ष में सुनहरी कामयाबी की सौवीं उड़ान

इसरो ने सीमित संसाधनों के साथ काम करने के बावजूद एक अत्यधिक परिष्कृत कार्य को सफलतापूर्वक पूरा किया है। डॉकिंग के लिए दो उपग्रहों के बीच सही मिलान की आवश्यकता होती है, और इसमें अविश्वसनीय रूप से जटिल गणनाएं शामिल होती हैं। यह ऐसा काम नहीं है जो हर देश कर सकता है, लेकिन भारत ने एक बार फिर पूरी दुनिया के समक्ष अपनी योग्यता साबित कर दी है। भविष्य में भारत की अंतरिक्ष में बड़ी-बड़ी महत्वाकांक्षाएं हैं। भारत अंतरिक्ष में अपना स्थायी स्टेशन स्थापित करना चाहता है। अन्य बड़े लक्ष्यों में चंद्रमा से नमूने लाना और वहां मानव भेजना शामिल है। डॉकिंग की तकनीक इन लक्ष्यों को हासिल करने की दिशा में एक बड़ा कदम है। पूरे देश और इसरो के वैज्ञानिकों के लिए यह बड़े गौरव की बात है कि भारत अंतरिक्ष में यान को डॉक करने वाला चौथा देश बन गया है। स्पैडेक्स (स्पेस डॉकिंग एक्सपेरीमेंट) मिशन इसरो की एक महत्वपूर्ण परियोजना है।

**मुकुल व्यास**

भारत ने नए साल का शानदार आगाज करते हुए अंतरिक्ष में दो बड़े कीर्तिमान कायम कर दिए हैं। सबसे पहले इसरो ने 16 जनवरी को अंतरिक्ष में पहली बार दो यानों को सफलतापूर्वक जोड़ कर एक नया इतिहास रचा और इसके कुछ ही दिन बाद 29 जनवरी को उसने अपने ऐतिहासिक 100वें रॉकेट प्रक्षेपण के जरिए अपने दूसरी पीढ़ी के नेविगेशन (नौचालन) उपग्रह को कक्षा में स्थापित कर दिया। भारत को लंबे समय से अंतरिक्ष में अपने यानों की डॉकिंग का इंतजार था। सटीक गणनाओं और अत्याधुनिक तकनीक के माध्यम से हासिल की गई यह उपलब्धि अंतरग्रहीय मिशनों और उन्नत अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी में भारत की बढ़ती क्षमताओं को प्रदर्शित करती है। इसरो ने सीमित संसाधनों के साथ काम करने के बावजूद एक अत्यधिक परिष्कृत कार्य को सफलतापूर्वक पूरा किया है। डॉकिंग के लिए दो उपग्रहों के बीच सही मिलान की आवश्यकता होती है, और इसमें अविश्वसनीय रूप से जटिल गणनाएं शामिल होती हैं। यह ऐसा काम नहीं है जो हर देश कर सकता है, लेकिन भारत ने एक बार फिर पूरी दुनिया के समक्ष अपनी योग्यता साबित कर दी है। भविष्य में भारत की अंतरिक्ष में बड़ी-बड़ी महत्वाकांक्षाएं हैं। भारत अंतरिक्ष में अपना स्थायी स्टेशन स्थापित करना चाहता है। अन्य बड़े लक्ष्यों में चंद्रमा से नमूने लाना और वहां मानव भेजना शामिल है। डॉकिंग की तकनीक इन लक्ष्यों को हासिल करने की दिशा में एक बड़ा कदम है। पूरे देश और इसरो के वैज्ञानिकों के लिए यह बड़े गौरव की बात है कि भारत अंतरिक्ष में यान को डॉक करने वाला चौथा देश बन गया है। स्पैडेक्स (स्पेस डॉकिंग एक्सपेरीमेंट) मिशन इसरो की एक महत्वपूर्ण परियोजना है। इसरो के स्पैडेक्स मिशन को 30 दिसंबर को श्रीहरिकोटा लांच पैड से प्रक्षेपित किया गया था। उड़ान भरने के कुछ ही मिनटों बाद लगभग 220

किलोग्राम वजन वाले दो अंतरिक्ष यानों को 475 किलोमीटर की गोलाकार कक्षा में प्रक्षेपित किया गया। एक ही रॉकेट पर प्रक्षेपित किए गए दो अंतरिक्ष यान अंतरिक्ष में अलग हो गए। इसरो के डॉकिंग परीक्षण के समय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बेंगलुरु में इसरो कार्यालय में उपस्थित थे। सफल डॉकिंग के बाद उन्होंने एक्स पर पोस्ट किया, 'यह आने वाले वर्षों में भारत के महत्वाकांक्षी अंतरिक्ष मिशनों के लिए एक महत्वपूर्ण कदम है।' स्पैडेक्स मिशन पर भेजे गए दो छोटे अंतरिक्ष यानों को एसडीएक्स 01 या चेज़र और एसडीएक्स 02 या टारगेट कहा जाता है। लांच के बाद दोनों यान सावधानीपूर्वक चुनी गई गति से अंतरिक्ष में यात्रा कर रहे थे। उन्हें एक साथ अंतरिक्ष में भेजा गया था। लेकिन अलग होने के समय उन्हें अलग-अलग वेग पर रखा गया था ताकि वे अपने बीच 10-20 किलोमीटर की दूरी बना सकें। डॉकिंग के दौरान वैज्ञानिकों ने यानों की दूरी को कम करने के उपाय किए ताकि वे आपस में मिल सकें। स्पैडेक्स के लांच होने के समय एस. सोमनाथ इसरो प्रमुख थे और कुछ दिन पहले अपनी सेवानिवृत्ति तक इसकी प्रगति की निगरानी कर रहे थे। उन्होंने डॉकिंग को 'एक बहुत ही जटिल प्रक्रिया' के रूप में वर्णित किया था, जिसके लिए अत्यधिक सटीकता और समन्वय की आवश्यकता होती है। आने वाले दिनों में दोनों यानों की अनडॉकिंग (अलग होने) और उनके बीच पावर ट्रांसफर का परीक्षण किया जाएगा। चेजर यान से टारगेट यान में बिजली का हस्तांतरण एक बहुत महत्वपूर्ण प्रयोग है। इसकी सफलता से यह प्रदर्शित किया जा सकेगा कि अंतरिक्ष में तैनात अंतरिक्ष यान की आपूर्ति और सर्विस के लिए दूसरे यान को भेजा जा सकता है। यह मिशन अंतर-उपग्रह संचार के लिए भारत की क्षमताओं का भी परीक्षण करेगा क्योंकि डॉकिंग और अनडॉकिंग के दौरान अंतरिक्ष यान को पृथ्वी स्टेशन के साथ-साथ एक-दूसरे के साथ भी संवाद करना होगा ताकि वे एक-दूसरे की स्थिति और गति जान सकें। अंतरिक्ष यान में वैज्ञानिक उपकरण और कैमरे भी हैं जिन्हें बाद में तैनात किया जाएगा। अगले दो वर्षों में वे अंतरिक्ष में विकिरण को मापेंगे और पृथ्वी पर प्राकृतिक संसाधनों की निगरानी करेंगे। इसरो अपने मिशनों को किफायती बनाने के लिए पूरी दुनिया में मशहूर है। वह तीन महीने तक कक्षा में कुछ महत्वपूर्ण प्रयोग करने के लिए स्पेसडेक्स को अंतरिक्ष में ले जाने वाले रॉकेट के एक हिस्से का भी उपयोग कर रहा है जो सामान्य परिस्थितियों में अंतरिक्ष मलबा बन जाता है। पोएम (पीएस4-ऑर्बिटल एक्सपेरीमेंट मॉड्यूल) में 24 पेलोड है और यह पहले ही दो सफल प्रयोग कर चुका है। पहले प्रयोग में उसने बीज अंकुरण का प्रदर्शन किया। इसरो ने एक वीडियो ट्वीट किया था जिसमें कहा गया था कि सूक्ष्म गुरुत्वाकर्षण में अंतरिक्ष में लोबिया के अंकुरों ने अपने पहले पत्ते प्रकट कर दिए हैं। सूक्ष्म गुरुत्वाकर्षण अंतरिक्ष यान में अनुभव की जाने वाली लगभग भारहीनता जैसी स्थिति है। वैज्ञानिकों का कहना है कि बीजों का अंकुरण बहुत अच्छी खबर है क्योंकि इसका मतलब है कि भविष्य के अंतरिक्ष यात्री लंबी अवधि के मिशनों के दौरान भोजन का उत्पादन कर सकते हैं। दूसरे प्रयोग में रोबोटिक भुजा शामिल है। यह रॉकेट के सबसे महत्वपूर्ण पेलोड में से एक है। इसरो के एक्स अकाउंट पर एक वीडियो में रोबोटिक भुजा को अंतरिक्ष मलबे के एक टुकड़े को पकड़ने के लिए आगे बढ़ते हुए दिखाया गया है। यह भुजा अंतरिक्ष स्टेशन के निर्माण के दौरान एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी क्योंकि इसका उपयोग चीजों को पकड़ने और उन्हें सही जगह पर रखने के लिए किया जा सकता है। यह रोबोटिक भुजा चंद्रयान-4 में भी काम आएगी जो भारत का अगला चंद्रमा मिशन है जिसका प्रमुख उद्देश्य चंद्रमा की मिट्टी के नमूने एकत्र करना और उन्हें वापस लाना है। डॉकिंग के बाद भारत की दूसरी बड़ी उपलब्धि इसरो की 100वीं रॉकेट उड़ान के रूप में सामने आई जब उसके शक्तिशाली जीएसएलवी-एफ15 रॉकेट ने दूसरी पीढ़ी के नेविगेशन उपग्रह को पृथ्वी की कक्षा में स्थापित किया। इसरो ने श्रीहरिकोटा से अपने प्रक्षेपण में जियोसिंक्रोनस सैटेलाइट लांच वीकल (जीएसएलवी) का इस्तेमाल किया। एनवीएस-02 नेविगेशन उपग्रह को ले जाने वाले जीएसएलवी-एफ15 ने श्रीहरिकोटा के सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र से उड़ान भरी और करीब 19 मिनट बाद रॉकेट ने एनवीएस-02 को 322.93 किमी की जियोसिंक्रोनस ट्रांसफर कक्षा में स्थापित कर दिया। इसरो के चेयरमैन वी. नारायणन ने कहा कि इसरो ने छह पीढ़ी के रॉकेट प्रक्षेपित किए हैं। इन प्रक्षेपणों के माध्यम से 433 विदेशी उपग्रहों के 23 टन सहित कुल 120 टन वजन वाले 548 उपग्रह स्थापित किए गए हैं।

# अपने आकाश की तलाश में उड़ान

बेटियों के ब्याह कर चले जाने पर किसी ने कहा है :-

ऐसा लगता है खतम जैसे मेला हो गया,

उड़ गई आंगन से चिड़िया घर अकेला हो गया।

अपने घर-परिवारों में बेटियों के लिए बहुत उपमायें दी जाती रही हैं और इनमें सबसे ज्यादा इस्तेमाल होने वाली उपमा है- बाबुल की चिड़िया। सचमुच जैसे चिड़िया अपने घोसले से उड़ जाती हैं, वैसे ही बेटियां अपने पिता के आंगन से बहुत दूर अनजान किसी आंगन में जाकर बस जाती हैं। एक पंजाबी लोकगीत इस भाव को बेहतर व्यक्त करता है :-

साडा चिड़ियां दा चंबा वे बाबल असां उड़ जाणा,

साडी लम्बी उडारी वे बाबल केहड़े देस जाणा।

सचमुच बेटियां चिड़िया की तरह होती हैं क्योंकि वे चिड़िया की तरह ही फुदकती फिरती हैं, चहकती हैं, कहीं भी झूला डाल लेती हैं, जो मिल जाये चुग्गे की तरह चुग लेती हैं।

समय के साथ-साथ बाबुल की ये चिड़ियां बहुत बदल गई हैं। अब ये दाना-चुग्गा तो अपनी पसंद का लेती ही हैं पर फुदकने के लिये जगह भी मन की चुनती हैं। इन्होंने अब किसी अनजान आंगन में नहीं बल्कि अच्छी तरह देखे-भाले घर में जाने का रास्ता खोज लिया है। कुछ चिड़ियां तो बिल्कुल आसपड़ोस में ही घोसला देख लेती हैं या लोकल ब्याह रचा लेती हैं। ऐसे में एक भाई का उलाहना है कि हमें तो कभी लगता ही नहीं है कि हमारी चिड़िया ने उड़ान भरी है क्योंकि हमारी चिड़िया तो रोज ही धमकी रहती है। पहले तो चिड़े को ही साथ लाया करती, अब तो एक चूजा गोद में और एक अंगुली पकड़े साथ आता है। हमारे आंगन में तो च्यां-प्यां मची ही रहती है। ऐसे भाई भूलकर भी यह गाना नहीं गाते :-

ओ री चिरैया, मेरी चिरैया, अंगना में फिर आजा रे।

कई बार तो लगता है कि अब हमारे आंगन की चिड़िया उड़ नहीं रही, भाग रही है। भागकर वे किसी ऐरे-गैरे के नाम का मंगलसूत्र पहन लेती हैं।

# वीआईपी कल्चर खत्म करता है लोगों के बीच समानता का भाव

तीर्थ स्थलों और गंगा स्नान में वीआईपी संस्कृति की बात कि जाये तो महाकुंभ मेले प्रयागराज, हरिद्वार या वाराणसी जैसे तीर्थ स्थलों पर आम श्रद्धालुओं को अपनी बारी का इंतजार करना पड़ता है, लेकिन वीआईपी के लिए अलग घाट बना दिए जाते हैं।जहां आम लोग भीड़ में संघर्ष करते हैं, वहीं खास लोगों के लिए विशेष स्नान व्यवस्था, सुरक्षा घेरा और सुविधाएं मुहैया कराई जाती हैं।कई बार वीआईपी के स्नान के लिए आम श्रद्धालुओं को घंटों रोका जाता है, जिससे भीड़ में अफरा-तफरी तक मच जाती है। महाकुंभ हादसे की असली वजह क्या थी, ये तो न्यायिक जांच के बाद ही पता चलेगा लेकिन सवाल ये है कि जहां करोड़ों लोग जुट रहे हों, वहां आम श्रद्धालुओं की असुविधा को बढ़ाकर वीआईपी स्नान जैसी व्यवस्था क्यों? वीआईपी स्नान के नग्न प्रदर्शन की टीस महाराज प्रेमानंद गिरि के शब्दों में भी दिखी जब उन्होंने कहा कि प्रशासन का पूरा ध्यान वीआईपी पर था। आम श्रद्धालुओं को उनके हाल पर छोड़ दिया गया था। उनका आरोप है कि पूरा प्रशासन वीवीआईपी की जी-हुजूरी में लगा रहा, तुष्टीकरण में लगा रहा।

**संजय सक्सेना**

मौनी अमवस्या प महाकुंभ में भगदड़, जिसके चलते तीस लोगों की मौत ने ऐसे मौकों पर कुछ विशेष लोगों को मिलने वाले वीआईपी सम्मान पर प्रश्न चिन्ह लगा दिया है। सवाल यह पूछा जा रहा है कि हिन्दुओं के धार्मिक स्थलों और आयोजनों में क्यों भक्तों के बीच भेदभाव होता है ? महाकुंभ में 29 जनवरी को मौनी अमवस्या के स्नान के दिन भगदड़ के कारण जो दर्दनाक हादसा हुआ उसने वाईआईपी कल्चर पर एक बार फिर से नये सिरे से बहस छेड़ दी है। सवाल उठ रहा है कि जब गुरुद्वारे में वीआईपी दर्शन नहीं, मस्जिद में वाआईपी नमाज नहीं, चर्च में वीआईपी प्रार्थना नहीं होती है तो सिर्फ मंदिरों में कुछ प्रमुख लोगों के लिये वीआईपी दर्शन क्यों जरूरी हैं ? क्या इस पद्धति को खत्म नहीं किया जाना चाहिए, जो हिन्दुओं में दूरियों का कारण बनता है ? खैर, योगी सरकार ने मौनी अमावस्या के दिन हुए हादसे से सबक लेते हुए वीआईपी सिस्टम पर रोक लगा दी है। महाकुंभ के लिये सभी वीआईपी पास भी रद्द कर दिये गये। काश यह व्यवस्था पहले ही खत्म कर दी जाती। यह इस लिये भी जरूरी था क्यों भारत के उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ 07 जनवरी को ही धार्मिक स्थलों पर होने वाली वीआईपी व्यवस्था को लेकर सवाल खड़े कर चुके थे।बब तो उन्हें ऐसे हादसे की उम्मीद भी नहीं रही होगी। उन्होंने कहा था कि कि वीआईपी व्यवस्था समानता के सिद्धांत के खिलाफ है और इसे धार्मिक जगहों से पूरी तरह समाप्त कर देना चाहिए। उपराष्ट्रपति ने आगे कहा कि धार्मिक स्थल समानता के प्रतीक हैं, जहां हर व्यक्ति ईश्वर के सामने बराबर होता है. वहीं उन्होंने जोर देकर ये भी कहा कि वीआईपी दर्शन की अवधारणा भक्ति के खिलाफ है. यह एक असमानता का उदाहरण है, जिसे तत्काल समाप्त किया जाना चाहिए. वहीं, उन्होंने धर्मस्थलों पर समानता को स्थापित करने की बात कही थी। धनखड़ ने अपने संबोधन कहा था कि धार्मिक स्थलों को समानता के प्रतीक के रूप में देखा जाना चाहिए. जब किसी को विशेषाधिकार दिया जाता है, या वीआईपी या वीवीआईपी का दर्जा दिया जाता है, तो यह समानता के

विचार का अपमान है. इस दौरान उन्होंने कर्नाटक के एक धर्मस्थल का उदाहरण भी बताया, जो समानता का संदेश देता है.

तब उपराष्ट्रपति ने कहा था कि पिछले कई सालों में धार्मिक स्थलों के बुनियादी ढांचे के विकास में एक सकारात्मक बदलाव आया. वहीं, उन्होंने कहा कि ये विकास केवल भौतिक सुधार नहीं हैं, बल्कि हमारी सभ्यता और सांस्कृतिक मूल्यों को सुदृढ़ करने का एक महत्वपूर्ण कदम भी हैं.हाल यह है कि कई मंदिरों के भीतर तो वहीं का स्टाफ और पुरोहित ही धन उगाही करके भक्तों को वीआईपी सुविधा प्रदान करने से नहीं चूकते हैं। ऐसे भक्तों को बिना लाइन के और मंदिर का प्रोटोकॉल तोड़कर गर्भगृह में प्रवेश कराकर भी दर्शन करा दिये जाते हैं। आम श्रद्धालु घंटों कतार में खड़े रहते हैं, जबकि वीआईपी को सीधे गर्भगृह में प्रवेश मिल जाता है। बड़े मंदिरों में वीआईपी पास या दान के बदले विशेष दर्शन की व्यवस्था होती है, जबकि साधारण भक्तों को धक्का-मुक्की झेलनी पड़ती है। वीआईपी भक्तों को विशेष प्रसाद, बैठने की जगह और पुजारियों का अलग से आशीर्वाद मिलता है, जबकि आम भक्त को कुछ ही सेकंड में दर्शन कर आगे बढ़ने को कहा जाता है।

तीर्थ स्थलों और गंगा स्नान में वीआईपी संस्कृति की बात कि जाये तो महाकुंभ मेले प्रयागराज, हरिद्वार या वाराणसी जैसे तीर्थ स्थलों पर आम श्रद्धालुओं को अपनी बारी का इंतजार करना पड़ता है, लेकिन वीआईपी के लिए अलग घाट बना दिए जाते हैं।जहां आम लोग भीड़ में संघर्ष करते हैं, वहीं खास लोगों के लिए विशेष स्नान व्यवस्था, सुरक्षा घेरा और सुविधाएं मुहैया कराई जाती हैं।कई बार वीआईपी के स्नान के लिए आम श्रद्धालुओं को घंटों रोका जाता है, जिससे भीड़ में अफरा-तफरी तक मच जाती है। महाकुंभ हादसे की असली वजह क्या थी, ये तो न्यायिक जांच के बाद ही पता चलेगा लेकिन सवाल ये है कि जहां करोड़ों लोग जुट रहे हों, वहां आम श्रद्धालुओं की असुविधा को बढ़ाकर वीआईपी स्नान जैसी व्यवस्था क्यों? वीआईपी स्नान के नग्न प्रदर्शन की टीस महाराज प्रेमानंद गिरि के शब्दों में भी दिखी जब उन्होंने कहा कि प्रशासन का पूरा ध्यान वीआईपी पर था। आम श्रद्धालुओं को उनके हाल पर छोड़ दिया गया था। उनका आरोप है कि पूरा प्रशासन वीवीआईपी की जी-हुजूरी में लगा रहा, तुष्टीकरण में लगा रहा। वीआईपी की भी आस्था होती है, इससे कहां कोई इनकार कर सकता है लेकिन आम लोगों की कीमत पर वीआईपी ट्रीटमेंट क्यों? अगर हजारों करोड़ रुपये खर्च किए गए तो वीआईपी लोगों के लिए कुछ ऐसी व्यवस्था क्यों नहीं की गई कि उनके मूवमेंट की वजह से आम श्रद्धालुओं को दिक्कत न हो? आम श्रद्धालु15-15, 20-20 किलोमीटर पैदल चलकर स्नान करने पहुंचे और कथित वीआईपी गाड़ियों के रेले के साथ सीधे तट तक पहुंचे, ये तो आम श्रद्धालुओं में रोष, खींझ और असंतोष पैदा करने वाला ही होगा। भगदड़ से एक दिन-दो दिन पहले तक ऐसी खबरें आ रही थीं कि पीपे के तमाम पुलों को आम श्रद्धालुओं के लिए बंद कर दिया गया ताकि कथित वीआईपी अपने वीआईपीपने का प्रदर्शन कर सकें।

वैसे वीआईपी कल्चर का दायरा काफी बड़ा है। वीआईपी कल्चर धार्मिक स्थलों तक ही नहीं सीमित है। लोकतंत्र से आस्था तक, हर जगह कुछ लोगों को कई मौकों पर विशेषाधिकार मिल ही जाता है। लोकतंत्र के मूल सिद्धांत कहते हैं कि सभी नागरिक समान हैं, लेकिन व्यवहार में कुछ लोग 'विशेष' हो जाते हैं, फिर चाहे वह सड़क पर हों, सरकारी दफ्तर में, अस्पताल में, या फिर मंदिर में!

इसी प्रकार से अक्सर बड़े नेताओं और अधिकारियों की सुरक्षा के नाम पर ट्रैफिक रोका जाता है, जबकि आम जनता घंटों जाम में फंसी रहती है। अस्पतालों में वीआईपी वार्ड अलग से बनाए जाते हैं, जबकि आम मरीजों को बिस्तर तक नहीं मिलता। एयरपोर्ट और रेलवे स्टेशनों पर वीआईपी यात्रियों के लिए विशेष सुविधाएं होती हैं, जबकि आम जनता लंबी कतारों में खड़ी रहती है। वीआईपी कल्चर एक नासूर की तरह है।इसी लिये हर सरकार वीआईपी कल्चर खत्म करने के वादे और बात करती है, लेकिन असल में इसे बनाए रखने के नए तरीके ढूंढे जाते हैं। मंदिरों और तीर्थ स्थलों में भी यह भेदभाव खत्म होना चाहिए, क्योंकि भगवान के दरबार में वीआईपी और आम आदमी का भेद न्यायसंगत नहीं हो सकता। सबसे बड़ी बात यह है कि जब तक जनता खुद इस संस्कृति को स्वीकार करती रहेगी, तब तक वीआईपी कल्चर खत्म नहीं होगा। बदलाव तभी आएगा जब लोग अपने अधिकारों को समझेंगे और भक्ति से लेकर लोकतंत्र तक समानता की मांग करेंगे।अनेक धर्मस्थलों में 400-500 रुपए तक का अतिरिक्त शुल्क लेकर मंदिरों में देवताओं के विग्रह के अधिकतम निकटता तक जल्दी पहुंचा जा सकता है। यह व्यवस्था शारीरिक और आर्थिक बाधाओं का सामना करने वाले वी.आई.पी. प्रवेश शुल्क देने में असमर्थ साधारण भक्तों के प्रति असंवेदनशील है। इससे शुल्क देने में असमर्थ भक्तों से भेदभाव होता है। विशेष रूप से इन वंचित भक्तों में महिलाएं तथा बुजुर्ग अधिक बाधाओं का सामना करने वाले शामिल हैं।

# कर्ज पटाने के लिए हाइवे से लूट लिया प्याज व लहसुन से भरा वाहन, आगरा से पकड़े पांच आरोपी

**शिवपुरी।** शिवपुरी जिले की सुभाषपुरा थाना पुलिस ने 28 जनवरी की रात हाइवे पर एक वाहन चालक को बंधक बनाकर लूटपाट करने वाले 5 बदमाशों को आगरा से पकड़ने की कार्रवाई की है। बदमाश वाहन सहित उसमें भरी 45 बोरी प्याज व 18 कट्टे लहसुन लूट ले गए थे। पुलिस ने लहसुन तो बरामद कर लिया है, जबकि बदमाशों ने 24 हजार रुपए में प्याज बेच दी थी। पुलिस पूछताछ में आरोपी ने स्वीकार किया कि उसने कर्ज पटाने के लिए लूट की इस वारदात को साथियों के साथ मिलकर अंजाम दिया।

### चालक को बंधक बनाकर ले गए प्याज व लहुसन से भरा वाहन

पुलिस ने बताया कि देवेन्द्र पुत्र प्रताप परिहार निवासी सिकंदरा कुडराया थाना जिगना जिला दतिया एक नए वाहन को मुंबई से लेकर आजमगढ़ जा रहा था। रास्ते में शाजापुर से देवेन्द्र ने वाहन में 45 बोरे प्याज व 18 बोरे लहसुन भर लिए थे। देवेन्द्र जैसे ही शिवपुरी जिले के सुभाषपुरा अंतर्गत हाइवे गुजरा तो एक कार में सवार होकर आए बदमाशों ने उसके लोडिंग वाहन के आगे कार लगाकर रोक लिया और कार चालक देवेन्द्र को बंधक बनाकर अपने साथ कार में ले गए देवगढ़ मुरैना नहर के पास छोड़कर फरार हो गए। बाद में देवेन्द्र पूछताछ करते हुए सुभाषपुरा थाने पहुंचा और वहां शिकायत दर्ज कराई।

पुलिस ने अज्ञात बदमाशों के खिलाफ मुडखेड़ा टोल प्लाजा पर रात में निकले वाहनों की जांच की। जिसमें एक फास्ट टैग से एक कार चालक की पहचान सतेन्द्र सिंह के रूप में हुई। पुलिस को संदेही सतेन्द्र का मोबाइल नंबर मिल गया और फिर पुलिस उसके पास पहुंच गई। पुलिस ने सतेन्द्र को लायंस कॉलोनी दयालबाग आगरा से पकड़ा और उसकी निशानदेही पर ध्रुव पुत्र आदम सिंह त्यागी उम्र 21 साल निवासी रोशनबाग त्यागी मार्केट थाना न्यू आगरा उप्र, ब्रजेश पुत्र देशराज कुशवाह निवासी एरोरा थाना बुडेरा जिला टीकमगढ़ हाल गायत्री बिहार दयालबाग आगरा उप्र, सतेन्द्र प्रताप सिंह पुत्र द्वारिका प्रसाद जाटव निवासी दयालबाग आगरा, लक्ष्मण पुत्र मुलुआ कुशवाह निवासी एरोरा थाना बुडेरा जिला टीकमगढ़ हाल गायत्री बिहार दयालबाग आगरा व नरेन्द्र पुत्र संजय दिवाकर निवासी अलिया नगरा जिला हाथरस हाल निवासी दयालबाग आगरा को पकड़ लिया। पुलिस ने इनके पास से लूटा गया वाहन व 18 बोरा लहसुन अलीगढ़ सब्जी मंडी से बरामद कर लिया है, जबकि बदमाशों ने प्याज को 24 हजार रुपए में बेच दिया था। पुलिस ने बदमाशों से 9 हजार रुपए नकद व वारदात में प्रयोग की गई कार भी जब्त की है। मामले को ट्रेस करने में थाना प्रभारी राजीव दुबे क उनकी टीम की भूमिका रही। पुलिस जांच में पता चला है कि ध्रुव त्यागी पहले नए लोडिंग वाहन चलाने का काम करता था। उसे पता था कि इन वाहन चालकों को लूटने में आसानी है। इनका कोई रिकोर्ड ज्यादा नहीं होता।

# इंदौर में एलआईजी चौराहे से नौलखा तक चौड़ा होगा रोड, 60 मीटर की होगी सड़क

**इंदौर।** एबी रोड (बीआरटीएस) की मिक्स लेन के ट्रैफिक को सुधारने की योजना पर काम शुरू हो गया है। एलआईजी से नौलखा के बीच के हिस्से में अलग-अलग चौराहों पर फ्लाईओवर बनाए जाएंगे।

इस हिस्से में जहां-जहां बाटलनेक था, वहां सड़क की चौड़ाई 30 मीटर से बढ़ाकर 60 मीटर की जाएगी। मंगलवार को कलेक्टर आशीष सिंह ने सड़क सुरक्षा समिति की बैठक में इसकी जानकारी दी। एलआईजी से नौलखा के बीच चौड़ाई बढ़ाने के लिए नगर निगम इस हिस्से में रोड किनारे आने वाले प्रतिष्ठानों व सरकारी विभागों की इमारतों से उनके हिस्से की सेडबैक की जमीन लेकर सड़क चौड़ी करेगा।

### दोनों ओर से 15-15 मीटर का हिस्सा

इस हिस्से में मौजूदा बीआरटीएस के अतिरिक्त दोनों ओर से करीब 15-15 मीटर का हिस्सा लिया जाएगा। एलआईजी से नौलखा के बीच पुलिस अधिकारियों के बंगले, एमजीएम मेडिकल कॉलेज, डेंटल कॉलेज, पीसी सेठी अस्पताल सहित कई सरकारी इमारतें हैं। ऐसे में रोड के एक ओर 15 मीटर हिस्सा आसानी से मिल जाएगा। वहीं रोड के दूसरी ओर निजी प्रतिष्ठानों से जमीन लेने में नगर निगम को काफी मशक्कत करनी होगी। जब बीआरटीएस का निर्माण किया गया था, तब टीडीआर के फार्मूले से इस हिस्से में बने प्रतिष्ठानों से जमीन ली गई थी।

### खत्म हो जाएंगे फुटपाथ

जब बीआरटीएस का निर्माण हुआ था, तब एलआईजी से नौलखा के बीच कम जगह में छोटे फुटपाथ बनाए गए थे। अब सड़क की चौड़ाई बढ़ाने के लिए फुटपाथ भी सड़क में मिलाए जाएंगे।

# शराब कंपनी में लूट का मास्टरमाइंड मिलीभगत कर फरार, इलाज को ले जाने वाले दोनों प्रहरी सस्पेंड

**उज्जैन।** नागदा की शराब कंपनी में 25 दिसंबर 2024 को दिनदहाड़े 18 लाख रुपए की लूट का मुख्य आरोपी मंगलवार को खाचरौद उपजेल से फरार हो गया। उसने बीमारी का बहाना बनाकर अस्पताल जाने का जेल प्रशासन से बोला था। कैदी को दो जेल प्रहरी खाचरौद के अस्पताल लेकर पहुंचे थे। दोनों प्रहरी अस्पताल से उसे किसी और जगह ले गए, जहां से वह उन्हें चकमा देकर फरार हो गया। पुलिस अधीक्षक ने दोनों प्रहरियों को सस्पेंड कर दोनों के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने के निर्देश दिए हैं।

जानकारी के अनुसार नागदा में शराब ठेकेदार के यहां लूट करने वाला मुख्य आरोपी रोहित शर्मा निवासी ग्वालियर खाचरौद उपजेल में बंद था। जेल प्रहरी राजेश श्रीवास्तव और नितिन दलोदिया उसे बीमार होने पर इलाज कराने खाचरौद के अस्पताल लेकर गए थे। इलाज कराने के बाद प्रहरी उसे किसी और स्थान पर भी ले गए, जो नियम विरुद्ध है। इसी दौरान कैदी रोहित शर्मा फरार हो गया। मामले में जेलर एसएस राणावत ने खाचरौद थाना में एफआईआर दर्ज कराई है। प्रहरियों पर कार्रवाई का यह भी एक कारण है कि दोनों ने रोहित के फरार होने की जानकारी अपने अधिकारियों को तत्काल नहीं देते हुए काफी समय बाद दी। प्रहरी पूछताछ में थाना प्रभारी और जेल को गुमराह करते रहे। दोनों प्रहरियों की संदिग्ध भूमिका को देखते हुए सीसीटीवी खंगाले गए। इसमें आरोपी अस्पताल में प्रहरी से बातचीत करते हुए नजर आया। रोहित को भगाने में प्रहरियों की मिली भगत को देखते हुए एसपी प्रदीप शर्मा ने दोनों को निलंबित कर एफआईआर दर्ज करने के निर्देश दिए हैं। दोनों जेल प्रहरी और फरार कैदी के खिलाफँ बीएनएस की धारा 262, 264 के तहत अपराध पंजीबद्ध किया है।

# अध्यक्षों की नियुक्ति में समझौता पॉलिटिक्स, फिर भी मंत्री विजयवर्गीय का पलड़ा रहा भारी

**इंदौर।** इंदौर में भाजपा के जिला व शहर अध्यक्ष पद की नियुक्ति में प्रदेश संगठन को सबसे ज्यादा वक्त लगा। प्रदेश में 60 अध्यक्ष नियुक्त हो चुके थे। बस इंदौर ही बचा था इंदौर के अंतिम दो नामों के घोषित होने के साथ प्रदेश के जिलों में अध्यक्षों की नियुक्ती की प्रक्रिया पूरी हुई।

समझौते की राजनीति से निकाला हल

इंदौर में अध्यक्षों को लेकर तगड़े दावेदार थे, लेकिन हल समझौते की राजनीति से निकला। विजयवर्गीय ने जिन नामों का दामदारी से समर्थन किया था, वे तो अध्यक्ष नहीं बन पाए, लेकिन 'समझौता वार्ता' में उन नामों पर मुहर लगी, जिन पर विजवयर्गीय को कोई आपत्ति भी नहीं थी। इस लिहाज से मंत्री विजयवर्गीय का खेमा इंदौर की नियुक्तियों में भारी रहा। सुमित मिश्रा और श्रवण सिंह चावड़ा की गिनती भी उनके खेमे में होती है। देपालपुर विधानसभा सीट से चावड़ा की पैरवी विजवयर्गीय ने की थी।

इंदौर नगर निगम के लिए फैसला सुमित मिश्रा और दीपक जैन टीनू के बीच होना था। वैसे वीडी शर्मा की पसंद मुकेश राजवात भी थे। मिश्रा और जैन विजयवर्गीय से जुड़े है। विजयवर्गीय ने अपने विधानसभा क्षेत्र के होने के नाते जैन को ज्यादा दमदारी से आगे बढ़ाया था, लेकिन मिश्रा की नियुक्ति भी उनके खाते में ही मानी जाएगी,क्योकि मिश्रा को विधायक मेंदोला का समर्थन था। विधायक मेंदोला और विजयवर्गीय के बीच की राजनीतिक राजनीतिक केमेस्ट्री जगजाहिर है।

संगठन को शहर से ज्यादा ग्रामीण में किसी एक नाम को चुनने में ज्यादा समय लगा। यहां चिंटू वर्मा की पैरवी विजयवर्गीय ने इसलिए की थी,क्योकि वे राजेश सोनकर के विधायक बनने के बाद जिला अध्यक्ष बने थे और उनका कार्यकाल भी पूरा नहीं हो पाया था। मंत्री तुलसी सिलावट ने अंतर दयाल का नाम जिलाध्यक्ष के लिए पूरी दमदारी से आगे बढ़ाया था।

### रायशुमारी में नहीं था चावड़ा का नाम

दयाल को विधायक उषा ठाकुर, मनोज पटेल का समर्थन था और विशाल पटेल की भी इस नाम पर सहमति थी। चिंटू भले ही जिलाध्यक्ष के लिए रिपीट नहीं हो पाए, लेकिन श्रवण चावड़ा की विजयवर्गीय से नजदीकी रही है। चावड़ा और निर्वतमान अध्यक्ष चिंटू वर्मा के बीच भी अच्छा तालमेल है। चावड़ा का नाम तो रायशुमारी में भी प्रमुखता से नहीं था, लेकिन समझौते में विजयवर्गीय ने चावड़ा के नाम पर उंगली रखी।

# पूर्व गृहमंत्री के घर आधी रात चोरों का धावा, लाखों की जूलरी गायब, कानून व्यवस्था पर उठ रहे सवाल

**बड़वानी।** मध्य प्रदेश के पूर्व गृहमंत्री तथा बडवानी जिले के राजपुर से विधायक बाला बच्चन के सूने घर से लाखों की चोरी हो गई। घटना सामने आने पर कल देर रात पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर लिया है। राजपुर से कांग्रेस विधायक बाला बच्चन ने बताया कि उन्होंने कल रात पुलिस थाने जाकर प्रकरण दर्ज कराया है। यह घटना राजपुर से आठ किमी दूर कांसेल ग्राम स्थित उनके निवास पर हुई।

### घर से बाहर थे बाला बच्चन

उन्होंने बताया कि उनकी पत्नी व बच्चे विगत एक सप्ताह से इंदौर स्थित निजी निवास पर रह रहे थे, और वे महू में आयोजित होने वाले %जय बापू जय भीम जय संविधान% कार्यक्रम के सिलसिले में होशंगाबाद संभाग क्षेत्र में थे। वे महू के आयोजन के बाद विगत दो-तीन दिनों से अपने राजपुर विधानसभा क्षेत्र में विभिन्न कार्यक्रमों में शामिल हो रहे थे। उनका एक निवास स्थान राजपुर में भी है।

### साफ सफाई के लिए पहुंचे थे मजदूर

उन्होंने बताया कि कल उन्होंने अपने कर्मचारियों को कांसेल स्थित निवास स्थान की साफ सफाई हेतु निर्देशित किया था। उन्होंने बताया कि जब कर्मचारी घर गए तो ताले टूटे पाये गये। घर की अलमारी का सामान अस्त-व्यस्त पाया गया।

उन्होंने घर जाकर देखा कि तार फेंसिंग काट कर दीवार तोड़कर अज्ञात चोर घुसे और उन्होंने ताले तोड़ने के बाद अलमारी को भी तोड़ दिया। उन्होंने बताया कि इंदौर से उनकी पत्नी ने आकर आभूषण आदि चेक किये।

उन्होंने बताया कि बदमाशों ने अलमारी में रखे साढे चार लाख रुपए कैश और उनकी पत्नी तथा परिवार के स्वर्ण आभूषण चोरी कर लिए। आभूषणों में एक चेन, एक नेकलेस, तीन अंगूठियां, दो जोड़ी कान की बालियां शामिल हैं। उन्होंने बताया कि बड़वानी के पुलिस अधीक्षक जगदीश डाबर और इंदौर ग्रामीण जोन के आईजी अनुराग को सूचना दी। उन्होंने आरोप लगाया कि पूरे राजपुर क्षेत्र में कानून व्यवस्था की स्थिति खराब है, और लगातार चोरियों की घटना बढ़ी है। हालांकि उन्होंने बताया कि चोरी की घटना में कोई नजदीकी व्यक्ति भी शामिल हो सकता है।

### क्या बोले एसपी

बड़वानी के पुलिस अधीक्षक जगदीश डाबर ने बताया कि बाला बच्चन के शिकायत आवेदन पर प्रकरण दर्ज कर विवेचना आरंभ कर दी गई है। इस घटना के लिए तीन पुलिस बल गठित किए गए हैं। साइबर टीम, डॉग स्क्वाड और एफएसएल टीम ने मौके का मुआयना किया है। उन्होंने बताया कि आरोपी वहीं रखे कुछ कैश, जेवर व चांदी की मूर्ति छोड़ गए। आरोपी 100-200 के नोटों की गड्डियां नहीं ले गए।

# बदमाशों ने घर के बाहर खड़े वाहनों में की तोड़फोड़

**इंदौर।** मध्य प्रदेश के इंदौर जिले के परदेशीपुरा थाना क्षेत्र में नशेड़ी बदमाशों ने ऑटो रिक्शा, बाइक, स्कूटर और अन्य वाहनों में तोड़फोड़ कर दी। जिसका वीडियो सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रहा है, वीडियो के आधार पर पुलिस ने तीन लोगों के खिलाफ मामला दर्ज कर बदमाशों की तलाश शुरू कर दी है। दरअसल यह पूरी घटना इन्दौर के परदेशीपुरा थाना क्षेत्र की है। जहां फरियादी सोनिया बनोधा ने पुलिस को शिकायत की थी कि क्षेत्र को बदमाश कृष्णा बराठ, लड्डू तिवारी और भूरा द्वारा नशे में गाड़ियों में तोड़फोड़ और ऑटो रिक्शा में पत्थर मारकर कांच फोड़ कर फरार हो गए, वहीं तोड़फोड़ की पूरी घटना सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई जिसके आधार पर पुलिस ने मामला दर्ज कर आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है।

# पहली से आठवीं तक के प्राइवेट स्कूल संचालक और शिक्षकों ने निकाली विरोध रैली, दिया धरना

**इंदौर।** मध्य प्रदेश में एमपी बोर्ड और सभी प्राइवेट स्कूल एसोसिएशन के द्वारा आज हड़ताल करते हुए स्कूलों को बंद रखा गया,संगठन ने पहली से आठवीं तक की मान्यता नवीकरण के मुद्दे पर यह हड़ताल की है। इंदौर के रीगल चौराहे पर भी संगठन के कई लोगों ने इकट्ठा होकर विरोध प्रदर्शन किया और इस फैसले को लेकर आक्रोश जताया। इस दौरान बड़ी संख्या में शिक्षण संस्थान से जुड़े लोग मौजूद रहे,सभी लोग रैली के रूप में महात्मा गांधी की प्रतिमा पर पहुंचे धरना दिया।

दरअसल मान्यता नवीनीकरण के मामले में कई नए नियम शासन के द्वारा जोड़े गए हैं। जिसमें रजिस्टर्ड किरायानामा के कार्य को लेकर काफी समस्याओं का सामना प्राइवेट स्कूल संचालकों को करना पड़ रहा है। इस संबंध में पहले भी शासन प्रशासन से ज्ञापन देकर मांग की गई थी, लेकिन अभी तक इस समस्या का हल नहीं हो पाया है।

स्कूल संचालकों का कहना है कि अगर रजिस्टर्ड किरायानामा कंपलसरी किया जाता है तो इससे कई सारे विद्यालयों पर ताला लग जाएगा। इसी के विरोध में प्राइवेट स्कूल संचालक और प्राइवेट स्कूलों से संबंधित संगठन विरोध कर रहे हैं।अब देखना होगा की स्कूल संचालकों की इस हड़ताल के बाद राज्य शासन क्या निर्णय लेती है।

# इस वर्ष आठ दिवसीय गुप्त नवरात्रि, देवी उपासना का मिलेगा पांच गुना फल

**उज्जैन।** माघ मास के शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा से लेकर नवमी तिथि तक माघी गुप्त नवरात्रि मनाई जाती है। इस वर्ष गुप्त नवरात्रि 6 फरवरी तक रहेगी। यह नवरात्रि देवी उपासकों और साधकों के लिए विशेष महत्व रखती है। इस दौरान उपासक अपनी साधना और उपासना के अनुसार विभिन्न मंत्रों एवं पाठों का जाप करते हैं। देवी मंदिरों में विशेष अनष्ठान भी आयोजित किए जाते हैं। इस बार षष्ठी और सप्तमी तिथि एक ही दिन पडने के कारण गुप्त नवरात्रि कुल आठ दिनों की होगी।

ज्योतिषाचार्य पं. अमर डब्बावाला ने बताया कि इस वर्ष गुप्त नवरात्रि का प्रारंभ 30 जनवरी, गुरुवार से होगा और पूणार्हुति 6 फरवरी, गुरुवार को होगी। शुभ दिन पर नवरात्रि का आरंभ और समापन होना सकारात्मक संदेश देता है, जिससे आध्यात्मिक उन्नति और धार्मिक प्रगति का प्रभाव पूरे भारतवर्ष में देखने को मिलेगा। इसके अलावा, वृद्धजनों को रोग दोष से मुक्ति मिलेगी और उनके सेहत में शीघ्र सुधार होगा। 9 दिवसीय साधना के अंतर्गत गृहस्थ, संन्यासी, योगी, साधक और उपासक अपनी संकल्प सिद्धि के लिए सप्तशती के पाठ, श्रीमद् देवी भागवत महापुराण, तथा दिव्य मंत्रों के अनुष्ठान गुप्त रूप से करते हैं।

गुप्त नवरात्रि के दौरान गुप्त साधनाएं भी की जाती है। वहीं विश्व प्रसिद्ध शक्तिपीठ श्री हरसिद्धि माता मंदिर में भी नौ दिनों तक माता का पूजन व श्रृंगार होगा। मंदिर के महंत रामचंद्र गिरी ने बताया कि सिद्ध शक्तिपीठ होने से यहां गुप्त नवरात्र में आत्म कल्याण के लिए साधक माँ भगवती का अनुष्ठान व नियमित पाठ करते है। भक्तों द्वारा मंदिर परिसर स्थित दीप मालिका को भी प्रज्ज्वलित कराया जाता है। माता की कृपा से सभी कार्य सिद्ध होते है। माघ मास का शुक्ल पक्ष 15 दिवस का रहेगा। इन 15 दिवसों में एक तिथि का क्षय होगा। शुक्ल पक्ष में अलग-अलग प्रकार के तीज त्योहारों का भी संयोग रहेगा। जिसके अंतर्गत 1 फरवरी को वरद तिल कुंद चतुर्थी पर गणपति का पूजन व 3 फरवरी को सरस्वती की प्रसन्नता के लिए माता सरस्वती का पूजन किया जाएगा। इसी दिन खटवांग जयंती भी रहेगी। वहीं 4 फरवरी को माँ नर्मदा के प्राकट्य उत्सव पर नर्मदा परिक्रमा की जा सकती है। इसी तरह 5 फरवरी को भीष्म अष्टमी व गुप्त नवरात्रि की अष्टमी रहेगी। यह पक्ष काल अनुकूल है और इस पक्ष काल में ग्रहों के योग संयोग भी अनुकूल फल प्रदान करेंगे।

ज्योतिषाचार्य पं. अमर डब्बावाला ने बताया कि नवग्रहों में विशेष महत्व रखने वाले शुक्र और शनि इस दौरान नक्षत्र परिवर्तन करेंगे, जिससे कई क्षेत्रों में सकारात्मक प्रभाव देखने को मिलेगा। शुक्र 1 फरवरी को प्रातः 9 बजे उत्तरा भाद्रपद नक्षत्र में प्रवेश करेगा। इसका प्रभाव कृषि, कार्य क्षेत्र और कला जगत में उन्नति के रूप में दिखाई देगा। साथ ही, वैश्विक स्तर पर भारतीय संस्कृति की प्रतिष्ठा और प्रभाव बढ़ेगा।

शनि 2 फरवरी को सायंकाल पूवार्भाद्रपद नक्षत्र में प्रवेश करेगा। इससे व्यापार-व्यवसाय और कार्य की गति में तेजी आएगी। स्टार्टअप और तकनीकी क्षेत्र में महत्वपूर्ण बदलाव देखने को मिलेंगे, जिसका फायदा भारतीय अर्थव्यवस्था को होगा। इन ग्रह परिवर्तनों के कारण व्यवसायिक और आर्थिक दृष्टि से यह समय भारत के लिए अनुकूल रहेगा।

# नेशनल लोक अदालत को प्रभावी बनाये जाने हेतु न्यायाधीशों व विभिन्न विभागों के साथ बैठक आयोजित

**लोकहित की पुकार, राजगढ**

वर्ष 2025 में नेशनल लोक अदालत आयोजित किये जाने के क्रम में राष्ट्री य विधिक सेवा प्राधिकरण, नई दिल्ली द्वारा तैयार किये गये कैलेण्डर एवं म.प्र. राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, जबलपुर द्वारा नेशनल लोक अदालत आयोजन हेतु प्रेषित कार्ययोजना अनुसार इस वर्ष 08 मार्च, 2025 को आयोजित होने वाली प्रथम नेशनल लोक अदालत की तैयारी एवं आमजनों के प्रीलिटीगेशन व न्यायालयों के लंबित प्रकरणों राजीनामा व सुलह-समझौता की कार्यवाही के माध्यम से अधिक से अधिक संख्या में निराकरण कराये जाने हेतु

संबंधित विभाग- बैंक, नगर पालिका, बी.एस.एन.एल, पुलिस परिवार परामर्श केन्द्र के अधिकारियों, बीमा कंपनी के अधिवक्ताओं आदि के साथ जिला न्यायालय राजगढ़ के ए.डी.आर. सेंटर, के सभा कक्ष में श्रीमती निवेदिता मुद्गल, विशेष न्यायाधीश, जिला न्यायालय, राजगढ़ की अध्यक्षता एवं जिला विधिक सहायता अधिकारी मुकेश कौशल की उपस्थिति में बैठक आयोजित की गई।

उक्त बैठक के साथ ही समस्त तहसील न्यायालयों के न्यायाधीशों के साथ ऑनलाईन माध्यम वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से बैठक आयोजित कर 08 मार्च, 2025 को आयोजित होने वाली नेशनल लोक अदालत में समस्त न्यायालयों में लंबित राजीनामायोग्य मामलों को नेशनल लोक अदालत में रखे जाने चर्चा की गई, साथ ही यह भी बताया गया कि, प्रीलिटीगेशन मामलों में अधिक से अधिक बैठकें कर लोक अदालत को सफल बनाये जाने हेतु विचार व्यक्त किये गये। इस अवसर पर समस्त विभागों से आगामी नेशनल लोक अदालत का अपने अपने क्षेत्र में व्यापक स्तर पर आमजन के मध्य प्रचार- प्रसार हेतु भी निर्देशित किया गया।

# कपिलेश्वर महादेव पहाड़ी पर श्रीमद्भागवत कथा में शामिल हुए श्रद्धालु ने प्रसादी ग्रहण की

**ब्यावरा / मलावर**

मलावर नगर से 1 किलोमीटर दूर प्राचीन श्री कपिलेश्वर महादेव पहाड़ी पर संगीतमय श्री मद्भागवत कथा का आयोजन किया गया। 30 जनवरी गुरूवार को कथा समापान में हजारों महिला पुरुष भक्तजन शामिल हुए प्रवक्ता सुश्री साध्वी समप्रिया दीदी उज्जैन के श्रीमुख से हजारो की सांख्य में उपस्थित श्रद्धालूओं ने भागवत कथा का रसपान किया मालावर क्षेत्र के 40से अधिक गांव के सहयोग से होता है जिसमें हजारो लोग शामिल हुए सत् श्री बद्रीलाल यादव पूर्व राज्यमन्त्री ,पूर्व विधायक रामचन्द्र दांगी, जिला पंचायत अध्यक्ष चंदर सिंह सोंधिया ,पूर्व जिला पंचायत

अध्यक्ष जसवन्त सिंह गुर्जर ,पूर्व जिला अध्यक्ष भाजपा दिलवर यादव ,जनपद सदस्य इंदर सिंह लववंशी,विष्णु गुर्जर, कांग्रेस नेता सुरेश सुमन, सरपंच रोडसिंह ठाकुर, मालावर पूर्व सरपंच चंदर सिंह गुर्जर, राजकुमार जाट, सरपंच जगदीश चौधरी ,पूर्व सरपंच लाखन सिंह सोंधिया ,हनुमंत सिंह गुर्जर ओम प्रकाश मीना रामकरण सोंधिया श्री नाथ गुप्ता साहित क्षेत्र के धर्मप्रेमी जनता शामिल हुए।

# सारंगपुर पुलिस ने पकडे मोटर चोर, आरोपियो से 11 पानी की मोटर की जप्त

**लोकहित की पुकार, सारंगपुर**

28 जनवरी .2025 को फरियादी मेहताब पिता रामसिंह राजपूत उम्र 30 वर्ष नि ग्राम इकलेरा ने रिपोर्ट किया कि मेरी पानी की मोटर कीमती 8000 रू को कोई अज्ञात व्यक्ति चुरा ले गया फरियादी की रिपोर्ट पर से थाना सारंगपुर के अपराध क्र 66/2025 धारा 303 (2) बीएनएस का पंजीबद्ध किया एंव पूर्व में मोटर चोरी के कुल 08 प्रकरण चोरी के पंजीबद्ध कर विवेचना में लिये गये अपराध सदर की सूचना वरिष्ठ अधिकारियो को दी गयी।

पुलिस अधीक्षक जिला राजगढ़ आदित्य मिश्रा द्वारा अज्ञात आरोपीयों की तलाश कर आरोपीयों के विरुद्ध कार्यवाही करने के निर्देशित दिए गए थे जिसके चलते पुलिस अधीक्षक महोदय के कुशल नेतृत्व व निर्देशन में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक आलोक शर्मा व सारंगपुर एसडीओपी अरविंद सिंह के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी सारंगपुर आकांक्षा हाडा व उनकी टीम द्वारा आरोपीयों की तलाश जारी की गयी तलाश के दौरान मुखबिर की सूचना पर अमीर उर्फ समीर पिता साबिर खां उम्र 24 वर्ष नि ग्राम इकलेरा से पूछताछ की जिसने मोटर चोरी करना स्वीकार किया आरोपी को गिरफ्तार किया गया आरोपी के मेमोरण्डम के आधार पर आरोपी लोकेन्द्र पिता दयाराम धनगर उम्र 28 वर्ष नि ग्राम तलैनी को गिरफ्तार किया गया आरोपीयो ने चोरी की गयी मोटरों को यासीन (कबाडी) नि वजीर हुसैन सारंगपुर को वेचना बताया एवं एक मोटर को समीर पिता रईश नि विरजावाडी सारंगपुर को वेचना बताया चारो आरोपीयो को गिरफ्तार कर आरोपीयो से कुल 11 पानी की मोटर जप्त कर एक लाख 25000 रू कीमत का माशूका जप्त किया गया है प्रकरण विवेचना में है। उक्त सराहनीय कार्य में सारंगपुर थाना प्रभारी आकांक्षा हाडा व उनि रामेश्वर मिश्रा, सउनि रवि प्रताप, प्रआर. श्याम, प्रआर. कमल, प्रआर सतीष आर. अतुल, आर शिवदांगी, आर. नीलेश आर मिथुन आर. अरूण आर राकेश आर गजेन्द्र की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

# जेसीआई गुना पायोनियर की प्रथम जनरल मीटिंग संपन्न

**लोकहित की पुकार, गुना**

जेसीआई गुना पायोनियर की प्रथम जनरल मीटिंग का आयोजन गत दिवस निजी होटल में किया गय। सर्वप्रथम कार्यक्रम की शुरुवात जैसी सुमित अग्रवाल द्वारा जैसी आस्थाओ के वाचन से की,, उसके बाद अध्यक्ष जैसी चित्रांक अग्रवाल द्वारा स्वागत भाषण दिया गय। इसके बाद जैसी सदस्यों को उनके उत्कृष्ट कार्यो के लिए सम्मानित किया गया साथ ही उनकी सक्रिय भागीदारी और समाज में उनके योगदान की सराहना की जिसमे जैसी विकास सोनी, जैसी वैभव टाँटिए, जैसी सागर अग्रवाल, जैसी गगन गोयल, जैसी मयंक अग्रेस्स, जैसी आकाश जैन, जैसी अक्कू सलूजा, जैसी अनुज अग्रवाल, जैसी अनुज जैन, जैसी आयुष जैन आदि शामिल थे। साथ ही आगामी महा में स्पिचक्रैफ्ट जैसी विशाल ट्रेनिंग का आयोजन जेसीआई गुना पायोनियर करेगा जिसके चेयरमैन जैसी अनुपम तिवारी बने।

बैठक में विभिन्न सामाजिक एवं व्यावसायिक गतिविधियों की रूपरेखा तैयार की गई तथा आगामी आयोजनों के लिए सदस्यों से सुझाव मांगे गए। चर्चा के दौरान संगठन को और अधिक प्रभावी बनाने के लिए महत्वपूर्ण मुद्दों पर विचार-विमर्श किया गया।

संस्था के अध्यक्ष ने कहा कि जेसीआई गुना पायोनियर का उद्देश्य समाज सेवा के साथ-साथ युवाओं के व्यक्तित्व विकास और लीडरशिप स्किल्स को निखारना है। उन्होंने सभी सदस्यों से सहयोग की अपील की और आगामी कार्यक्रमों में सक्रिय भागीदारी की उम्मीद जताई। मंच संचलान वाईस प्रेजिडेंट मैनेजमेंट जैसी अंशुल तायल द्वारा किया गय। अंत में आभार सचिव सुमित मथुरिया द्वारा दिया गया।

# 2 फरवरी को निकलेगा भव्य चल समारोह एवं निशान यात्रा, तैयारियां जारी

**लोकहित की पुकार, ब्यावरा।**

बाबा खाटू श्याम जी के नवनिर्मित मंदिर में दिनांक 2 फरवरी को भव्य चल समारोह निकाला जाएगा और इसके साथ ही पांच दिवसीय प्राण प्रतिष्ठा महायज्ञ का शुभारंभ भी हो जाएगा।

8 फरवरी को महाप्रसादी का वितरण एवं बाबा खाटू श्याम जी के प्रथम दर्शन होंगे। चलसमारोह को भव्य बनाने के लिए स्थानीय बाबा खाटू श्याम मंदिर पर व्यवस्था टोली की बैठक महायज्ञ किया गया, जिसमें आयोजन को भव्य बनाने के लिए व्यवस्थाओं

का विकेंद्रीकरण भी किया गया। इस अवसर पर उपस्थित सभी सदस्यों ने जिम्मेदारी लेते हुए चल समारोह को भव्य बनाने की बात कही। गौरतलब है कि बाबा खाटू श्याम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा समारोह के लिए चल समारोह,बाबा खाटू श्याम जी का नगर भ्रमण एवं निशान यात्रा कार्यक्रम 2 फरवरी को सुबह 11 बजे से राजगढ़ रोड स्थित राधाकृष्ण मंदिर से शुरू किया जाएगा, जो विभिन्न मार्गों से होता हुआ खाटू श्याम मंदिर पहुंचेगा। इसके अलावा 8फरवरी को होने वाले महाप्रसादी वितरण की व्यवस्थाओं को लेकर भी योजना बनाई गई। इस अवसर पर मंदिर समिति एवं व्यवस्था से जुड़े कई भक्तगण मौजूद थे।

**राधाकृष्ण मंदिर से निकलेगा चल समारोह**

अरन्या पुल के समीप बने बाबा श्री खाटू श्याम मंदिर में 2 फरवरी से 8 फरवरी तक महायज्ञ का आयोजन होगा। 2 फरवरी को चल समारोह के बाद हिमाद्रि स्नान होगा। जबकि 3 फरवरी को अग्नि स्थापना एवं देव आवाह्न होगा। इसके बाद प्राण प्रतिष्ठा के लिए हवन पूजन होगा। बाबा खाटू श्याम जी का नगर भ्रमण एवं चल समारोह 2 फरवरी को 11बजे राधाकृष्ण मंदिर से शुरू होगा। जो पीपल चौराहा, मैंन मार्केट, नगर पालिका परिषद के सामने होता हुआ पीपल चौराहा, एबी रोड होता हुआ बाबा श्री खाटू श्याम जी मंदिर पर पहुंचेगा। मंदिर समिति ने भव्य चल समारोह में अधिक से अधिक संख्या में लोगों से शामिल होने की अपील की है।

# चोरों का आतंक, मकान का ताला तोडक़र बाइक व अन्य सामान चोरी

**लोकहित की पुकार, गुना**

शहर के कैंट थाना क्षेत्र में चोरी की बड़ी वारदात सामने आई है। जहां अज्ञात चोरों ने एक मकान का ताला तोडक़र वहां से मोटरसाइकिल, टीवी और पानी की मोटर चोरी कर ली। इस घटना से क्षेत्र में दहशत का माहौल है।

फरियादिया माधवी भार्गव निवासी पायगा मोहल्ला, गुना ने पुलिस को बताया कि उनका एक दूसरा मकान उदगम रेसिडेंसी वरवटपुरा में भी है। वे 14 जनवरी की शाम अपने पायगा मोहल्ला स्थित घर पर आ गई थीं। गत रात करीब 3꞉30 बजे सोसायटी के सिक्योरिटी गार्ड का फोन आया कि उनके मकान का ताला टूटा हुआ है और घर के अंदर रखी मोटरसाइकिल गायब है।

**घर पहुंचने पर टूटा ताला और गायब सामान**

माधवी भार्गव अपनी मां गिरिजा भार्गव के साथ तुरंत रात 4 बजे उदगम रेसिडेंसी पहुंचीं। वहां जाकर देखा कि मुख्य दरवाजे का ताला टूटा हुआ था और अंदर रखी रॉयल एनफील्ड काले रंग की एमपी 08-4691 गायब थी।

इसके अलावा 43 इंच का एलजी टीवी और पानी की मोटर भी चोरी हो चुकी थी। फरियादिया ने चोरी की जानकारी मिलने के बाद खुद ही कुछ दिनों तक सामान की तलाश की, लेकिन कोई सुराग नहीं मिला।

आखिरकार उन्होंने कैंट थाना पहुंचकर रिपोर्ट दर्ज कराई। पुलिस ने अज्ञात चोरों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है और जांच शुरू कर दी है। उल्लेखनीय है कि शहर में लगातार हो रही चोरी की घटनाओं से नागरिकों में चिंता बढ़ गई है। पुलिस अब इस चोरी के मामले में आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही है ताकि चोरों का जल्द से जल्द पता लगाया जा सके।

# दो बीघा जमीन व पत्रकारिता के कारण षड्यंत्र कर लोगो ने भिजवा दिया था जेल, अदालत ने किया दोष मुक्त

## सत्य परेशान हो सकता है पराजित नही युक्ति हुई चरित्रार्थ

**लोकहित की पुकार, गुना**

जिले के बीनागंज कस्बे के निकट ग्राम बिजनीपुरा में 22 वर्ष पूर्व दो बीघा जमीन खरीद उस पर आश्रम बना अपनी साध्वी धर्मपत्नी के साथ रह रहे 70 वर्षीय वरिष्ठ पत्रकार पण्डित रामकुमार शर्मा के लिए दो बीघा कीमती जमीन व पत्रकारिता करना भारी पड़ गया जिस कारण उसे मोगिया जाति की नाबालिग बच्ची को छेड़ने के फर्जी केस, धारा 354/376 ए/ एस सी एस टी एक्ट में चार महीने जेल में रहना पड़ा। पत्रकार आर के शर्मा ने आरोप लगाते हुवे बताया कि ग्राम बिजनीपुरा का एक व्यक्ति विक्रम मीना उन्हें भगा कर उनकी भूमि कब्जाने हेतु कभी आश्रम पर डकैती करा, कभी जमीन के फर्जी मुकदमे लगा विगत 20 वर्षो से परेशान करता आ रहा था। जब वह कामयाब नही हो पाया तो उसने एक गरीब मोगिया को पैसे देकर व हरिजन एक्ट में पैसा मिलने की कहकर मुझ पर फर्जी केस बनवा दिया जिसमे विक्रम मीना का साथ कुछ लोकल नेतागिरी करने वाले छुटभैया नेताओ ने भी दिया। क्योकि वो मुझसे इसलिए जलते थे कि में कांग्रेस के पूर्व एम पी, विधायक छोटे राजा लक्ष्मण सिंह के समाचार प्रमुखता से निकालता था व उनका आना जाना हमारे आश्रम पर बना रहता था। सब कुछ जानते हुए भी मेरे विरुद्ध हुए षड्यंत्र में राजा साहब ने कोई मदद नही की। मेरे जेल जाने के बाद मेरे आश्रम पर विरोधियों ने तोड़ फोड़ कर सब सामान लूट लिया ,जिसकी रिपोर्ट करने के बाद भी आज तक कोई कार्यवाही नही हुई। सब कुछ लुट जाने के बाद आज में और मेरी धर्मपत्नी दर दर की ठोकरे खा रहे है। एक साल दस महीने केस चलने के बाद गत 28 जनवरी को माननीय विशेष न्यायाधीश पॉस्को ने मेरे और गवाहों की सुनकर विद्वानअधिवक्ता नीरज भदौरिया द्वारा दी गयी दलीलों को सुनने के बाद पत्रकार को दोष मुक्त कर ,केस में बरी कर दिया।

# राजगढ़ जिले के लिए नाबार्ड की 6711.07 करोड़ की संभाव्यतायुक्त ऋण योजना

**राजगढ।** राष्ट्रीय कृषि और ग्रामीण विकास बैंक(नाबार्ड) द्वारा जिले के लिए वर्ष 2025- 26 हेतु तैयार की गई संभाव्यतायुक्त ऋण योजना(पीएलपी) का विमोचन कलेक्ट्रेट कार्यालय में कलेक्ट र डॉ. गिरीश कुमार मिश्रा द्वारा किया गया। राष्ट्रीय कृषि और ग्रामीण विकास बैंक(नाबार्ड) द्वारा वर्ष 2025- 26 के लिए राजगढ़ जिले हेतु भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा निर्धारित प्राथमिकता प्राप्त क्षेत्र में ऋण वितरण के दिशा-निर्देशों के अनुसार कृषि ऋण, कृषि अधोरंचना, कृषि सहायक गतिविधियों, सूक्ष्म, लघु व मध्यम उद्यमियों, आवासआदि हेतु 6711.07 करोड़ रूपये की संभाव्यतायुक्त ऋण योजना (पीएलपी) तैयार किया गया है।

नाबार्ड के जिला विकास प्रबंधक श्री धीरेन्द्र कोरी ने ऋण योजना की रूपरेखा प्रस्तुत की। उन्होने बताया कि पीएलपी योजना में कृषि ऋण हेतु 4572.11 करोड़ रूपये, मियादी ऋण हेतु 1303.67 करोड़ रूपये, कृषि अधोसंरचना हेतु 224.61 करोड़ रूपये, कृषि सहायक गतिविधियों हेतु 263.32 करोड़ रूपये, सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमियों हेतु 1075.27 करोड़ रूपये, आवास हेतु 114.16 करोड़ रूपये का आकलन किया गया है।

# वरिष्ठ पत्रकार व समाजसेवी अनिल सोनी का निधन

## नपा अध्यक्ष सहित पत्रकारों ने दी श्रद्धांजलि

**लोकहित की पुकार, सारंगपुर**

नगर के वरिष्ठ पत्रकार अनिल सोनी का गुरुवार तड़के 59 वर्ष की उम्र में हृदय गति रुकने से आकस्मिक निधन हो गया । खबर लगते ही नगर व पत्रकार जगत में भारी शोक छा गया। श्री सोनी सामाजिक संस्था महादेव मित्र मंडल के सक्रिय सदस्य एवं एक वरिष्ठ पत्रकार मिलनसार थे जो पूर्व में सोनी समाज के सचिव भी रह चुके थे। वह हमेशा समाज सेवा के कार्य कर्मठता से करते रहे वही लंबे समय से पत्रकारिता करते रहे हे । उनकी आकस्मिक मृत्यु से सोनी समाज एवं समस्त नगर वासीयों मे भारी शोक छाया हुआ है। इनकी शव यात्रा दोपहर 12꞉30 बजे उनके स्वनिवास मोहल्ला रंगेरवाडी से निकाली गई, जो नगर के मुख्य मार्गों से होती हुई मुक्तिधाम पहुंची । जहां उनके बड़े पुत्र मनीष एवं रोहित ने उनको मुखाग्नि दी। इस दौरान शोकसभा में नगर पालिका अध्यक्ष पंकज पालीवाल, , स्वर्णकार समाज के जिला अध्यक्ष गोपाल सोनी, स्वर्णकार समाज अध्यक्ष कैलाश सोनी, नवयुवक अध्यक्ष गुंजन सोनी, पत्रकार संघ अध्यक्ष गोपाल राठौर, न्यू प्रेस क्लब अध्यक्ष अमित सक्सेना, संजय विजयवर्गीय, हुकुम सोनी, शेख बहादुर निजाम कुरैशी शोएब हसन राही अंकित जायसवाल सहित समाज जन एवं नगर वासी उपस्थित थे। ब्रह्माकुमारी आश्रम विश्वविद्यालय सारंगपुर की दीदी बी के लक्ष्मी व भ्राता नीरज भाई प्रेस क्लब अध्यक्ष संतोष पुष्पद व अन्य लोगों ने शोक संवेदना व्यक्त कर आत्मिक श्रद्धांजलि व्यक्त की।

दैनिक लोकहित की पुकार के लिए स्वामी प्रकाशक मुद्रक संतोष पुष्पद द्वारा सोनू ग्राफिक्स राधा कृष्ण कांप्लेक्स सारंगपुर राजगढ़ 46569। से मुद्रित व सिविल अस्पताल रोड सारंगपुर राजगढ़ मध्यप्रदेश 46569। से प्रकाशित, संपादक संतोष पुष्पद मोबाइल:- 94254 44 846- सभी विवादों का न्याय क्षेत्र सारंगपुर रहेगा।